## महत्वपूर्ण एवं खास

### राज्य के 8 सीनियर अफसरों को किया गया आईपीएस बैच अलॉट

**रायपुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ पुलिस सेवा के 9 सीनियर अफसरों को भारतीय पुलिस सेवा का बैच अलॉट कर दिया गया है, जिसमें अफसरों को सीनियोरिटी के आधार पर 2014 से 2016 बैच आवंटित किया गया है. इस संबंध में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने आदेश जारी किया है. आदेश के मुताबिक, प्रफुल्ल ठाकुर को 2015 बैच, विजय कुमार पांडे को 2016 बैच, जबकि उमेश चौधरी, मनोज कुमार खिलारी, रवि कुमार कुर्रे, चैनदास टंडन, सुरजन राम भगत, दर्शन सिंह मरावी और झाड़ूराम ठाकुर को 2014 बैच का आईपीएस अलॉट किया गया है.

### राजिम कुंभ मेला सांस्कृतिक मंच पर कवि सम्मेलन का आयोजन

**गरियाबंद (आरएनएस)।** राजिम कुंभ कल्प मेला में 19 फरवरी बुधवार को नवीन मेला मैदान स्थित सांस्कृतिक मंच में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन संध्या 5 बजे किया गया है। जिसमें स्थानीय कवि कविता प्रस्तुत करेंगे। जिला रत्नांचल साहित्य समिति के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहिर ने बताया कि इस कवि सम्मेलन में टीकमचंद सेन दिवाकर, संतोष कुमार सोनकर मंडल, गोकुल सेन, संतोष सेन, जितेंद्र सुकुमार, नूतन लाल साहू, डॉ.मुन्नालाल देवदास, बीएल श्रीवास, भोज साहू, मकसूदन राम साहू बरीवाला, मोहनलाल मानिकपन, संतोष प्रकृति, डॉ. रमेश सोनसायटी, नरेंद्र साहू पार्थ, रोहित साहू, किशोर निर्मलकर, छग्गुयास आडिल कविता प्रस्तुत करेंगे।

### हैंग चैलेज खेल युवाओं को कर रहा आकर्षित

**गरियाबंद (आरएनएस)।** राजिम कुंभ कल्प मेला में मनोरंजन के भरपूर साधन आए हुए हैं। नवीन मेला मैदान में मीना बाजार के अलावा मेला स्थल क्षेत्र में कई प्रकार के चैलेंजिंग गेम्स भी लगे हुए हैं, जो मनोरंजन के साथ इनाम पाने का अच्छा मौका दे रहे है। इन्ही में मेला स्थल में अलग अलग जगहों पर हैंग चैलेंज लगाया गया है, जिसमें दो मिनट तक लटके रहने पर एक हजार रुपए का इनाम दिया जा रहा है। दुकानदार ने बताया कि प्रतिभागी को मात्र 100 रुपए देकर दो मिनट तक लोहे के हैंगर में लटकना होगा। यदि वह चौलेंज पूरा कर लेता है, तो उसे एक हजार रुपए इनाम के तौर पर दिया जाता है। इस खेल में युवाओं की अच्छी खासी भीड़ देखी जा रही है। मेला में आया हर युवा एक बार यहां रूककर खेल जरूर देख रहा है। इसमें कोई चौलेंज स्वीकार करता, तो कई युवक ट्राई करके छोड़ देते हैं। मेले में कई जगहों में लगा राउंड सेल्फी जोन लोगों को काफी लुभा रहा है। यहां हर वर्ग के लोग अपने मनपसंद गानों के साथ सेल्फी वीडियो (रील) बना रहे हैं। मेले में आए लोग खासकर युवाओं और युवतियों को इस पल को यादगार बनाने रील बनाते देखा जा रहा है।

### पाली महोत्सव वर्ष 2024-25: साइकिल रेस, वीडियोग्राफी प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु आवेदको से 21 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित

**कोरबा (आरएनएस)।** पाली महोत्सव वर्ष 2024-25 अंतर्गत आयोजित होने वाले साइकिल रेस, वीडियोग्राफी प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु इच्छुक आवेदकों से 21 फरवरी 2025 शाम 4 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। उक्त प्रतियोगिता में साइकिल रेस एवं वीडियोग्राफी प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु विभाग द्वारा क्यूआर कोड एवं लिंक जनरेट किया गया है, जिसमें रूचि रखने वाले अभ्यर्थी अपना पंजीयन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन पंजीयन करने में अगर कोई समस्या होती है तो अभ्यर्थी कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कोरबा, जिला-कोरबा के कक्ष क्र0 07 में अपना आवेदन जमा कर सकते है।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन: खरसिया एवं धरमजयगढ़ में 20 फरवरी को होगा दूसरे चरण का मतदान

# 199 ग्राम पंचायतों के लिए बनाए गए 469 मतदान केन्द्र, दोनों विकासखण्डों में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक

- सुबह 07 बजे से दोपहर 03 बजे तक होगी वोटिंग, मतदान समाप्ति के पश्चात केंद्र में ही होगी मतगणना
- तीसरे चरण के लिए 23 फरवरी को होगा मतदान

रायगढ़

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन-2025 के तहत दूसरे चरण के लिए गुरुवार 20 फरवरी को मतदान होगा। जिसमें खरसिया और धरमजयगढ़ ब्लॉक के पंचायतों में मतदान होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में 19 फरवरी को ब्लॉक मुख्यालय से सुबह मतदान दलों को मतदान सामग्री का वितरण कर रवाना किया गया। मतदान 20 फरवरी को सुबह 07 बजे से दोपहर 03 बजे तक होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात मतदान केंद्र में ही मतों की गणना की जाएगी। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन अंतर्गत मतदाता 4 पदों के लिए मतदान करेंगे। इसमें वार्ड के पंच, ग्राम पंचायत के सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के लिए मतदान होगा। इसी क्रम में तृतीय और अंतिम चरण के लिए 23 फरवरी को लैलूंगा, तमनार और घरघोड़ा ब्लॉक में मतदान होगा।

निर्वाचन शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार खरसिया एवं धरमजगढ़ के कुल 199 ग्राम पंचायतों के लिए 469 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। जहां कुल 2 लाख 49 हजार 253 मतदाता है, जिसमें 01 लाख 21 हजार 794 पुरूष मतदाता, 01 लाख 27 हजार 455 महिला मतदाता एवं 4 तृतीय लिंग शामिल है। जिसमें खरसिया ब्लॉक के 81 ग्राम पंचायतों के लिए 183 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जहां कुल 1 लाख 2 हजार 558 मतदाता है, जिसमें 50 हजार 368 पुरुष मतदाता एवं 52 हजार 189 महिला तथा 01 तृतीय लिंग मतदाता शामिल है। इसी प्रकार धरमजयगढ़ विकासखंड के 118 ग्राम पंचायतों के लिए 286 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जहां कुल 1 लाख 46 हजार 695 मतदाता है, जिसमें 71 हजार 426 पुरुष मतदाता एवं 75 हजार 266 महिला मतदाता तथा 3 तृतीय लिंग मतदाता शामिल है।

**बैलेट पेपर से होगा चुनाव, अलग-अलग रंगों के होंगे मतपत्र-** राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन मतपत्रों से होंगे। इसके लिए पदों के अनुसार मतपत्र का रंग निर्धारित है। पंच का मतपत्र सफेद, सरपंच का नीला, जनपद सदस्य का पीला और जिला पंचायत सदस्य का मतपत्र गुलाबी रंग का होगा।

## मतदान के दौरान ईवीएम की फोटो वीडियो खींचकर सोशल मीडिया में वायरल करने वाले मनीष सिंह पर दर्ज हुई एफआईआर

मतदान की गोपनीयता भंग करना है लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत है दंडनीय अपराध

**रायगढ़।** नगरीय निकाय चुनाव में मतदान के दौरान ईवीएम की फोटो वीडियो खींचकर सोशल मीडिया में उसे वायरल कर मतदान की गोपनीयता भंग करने वाले मनीष सिंह उर्फ बिहारी बाबूए निवासी टुरकुमुड़ा थाना जुटमिल तहसील व जिला रायगढ़ पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 128, 131 तथा 132 में दिये गए प्रावधान एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 फरवरी को नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए मतदान हुए। नगर पालिक निगम रायगढ़ के मतदान केन्द्र क्रमांक 111 प्राथमिक शाला मिड्डुमुडा कक्ष क्र. 03 में मनीष सिंह उर्फ बिहारी बाबू, निवासी टुरकुमुड़ा थाना जुटमिल तहसील व जिला रायगढ़ द्वारा मतदान करते हुए ईवीएम की फोटो वीडियो खींचकर उसे सोशल मीडिया फेसबुक में अपलोड कर वायरल किया गया, और मतदान की गोपनीयता भंग की गई। यह मामला संज्ञान में आने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल ने रिटर्निंग ऑफिसर के माध्यम से उक्त मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी को निर्देश देते हुए इस मामले में जूटमिल थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

उल्लेखनीय है कि मतदान के दौरान मतदान केन्द्र में मतदान करते हुए फोटो वीडियो खींचकर उसे वायरल कर मतदान की गोपनीयता भंग करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 128,131 तथा 132 के तहत दण्डनीय अपराध है।

## कलेक्टर ने चार शिक्षकों को किया निलंबित चुनावी कार्य में लापरवाही का मामला

रायपुर

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लालपुर में चुनाव सामग्री वितरण केंद्र पर शराब के सेवन का मामला सामने आने के बाद कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट ने सख्त कार्रवाई करते हुए चार शिक्षकों को तत्काल निलंबित कर दिया।

घटना की पुष्टि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मनेन्द्रगढ़ के सहायक चिकित्सा अधिकारी द्वारा की गई। जांच में यह पाया गया कि अशोक कुमार सिंह, सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला, हरकाटनपारा, राकेश कुमार पाण्डेय, शिक्षक, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, भूभका, अभय कुमार कुजूर, सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला, चुक्तीपानी और सुनील टोप्पो, शिक्षक, माध्यमिक शाला, बौरीडांड चुनावी ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में पाए गए, जो कि सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 एवं 23 के पूर्णतः विपरीत है। इसे चुनावी कार्य में घोर लापरवाही, उदासीनता और गंभीर कदाचार माना गया, जिसके चलते छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत इन चारों शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

निलंबन अवधि के दौरान इनका मुख्यालय 'विकासखंड शिक्षा अधिकारी, भरतपुर' निर्धारित किया गया है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने स्पष्ट किया है कि चुनावी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने छत्तीसगढ़ के जल संचयन कार्यों को सराहा

- जल विजन 2047 के लिए राज्यों के जल मंत्रियों का उदयपुर में द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन
- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नीति जल संरक्षण और सतत विकास पर है केन्द्रित

रायपुर

राजस्थान के उदयपुर में आयोजित राज्य जल मंत्रियों के सम्मेलन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने छत्तीसगढ़ में जल संचयन के लिए जनभागीदारी से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जल संरचनाओं के निर्माण में पूरे देश में अग्रणी स्थान पर है और जल संरक्षण के क्षेत्र में राज्य के नवाचार मॉडल अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ में अब तक 2,29,000 से अधिक जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है, जिससे जल संसाधनों का संवर्धन हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जाना हमारे लिए गौरव की बात है। छत्तीसगढ़ सरकार की नीति जल संरक्षण और सतत विकास पर केन्द्रित है। राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों की संरक्षण और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव और जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने किया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने राज्य में जल संग्रहण के लिए चलाए जा रहे योजनाओं, जल संरचनाओं के प्रभाव और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें ग्रामीण और शहरी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ की सिंचाई क्षमता में वृद्धि और जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण के लिए तय किए गए लक्ष्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जल संचयन के लिए स्थायी संरचनाओं, लघु सिंचाई परियोजनाओं को प्राथमिकता दी है, जिससे भूजल स्तर में सुधार हुआ है और किसानों को सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो रहा है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने छत्तीसगढ़ की सतत जल प्रबंधन नीति और सामुदायिक सहभागिता मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि यह राज्य पूरे देश के लिए बेस्ट प्रैक्टिस मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जल संरचनाएं सिर्फ पानी के संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि उत्पादन और जल सुरक्षा को भी मजबूत कर रही हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अन्य राज्यों को छत्तीसगढ़ के जल प्रबंधन मॉडल से प्रेरणा लेनी चाहिए और जल संरक्षण को अपनी नीतियों में प्राथमिकता देनी चाहिए। पाटिल ने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को और अधिक मजबूती देने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

## वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं और राज्य जीडीपी में उनका योगदान' विषय पर 21 फरवरी को नवा रायपुर में कार्यशाला

- छत्तीसगढ़ वन विभाग और टेरी नई दिल्ली का संयुक्त आयोजन

रायपुर

वन मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में, वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन और उनका राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में आर्थिक महत्व को चिन्हित करने के लिए 21 फरवरी को दंडकारण्य (ऑडिटोरियम), अरण्य भवन, नवा रायपुर में कार्यशाला का आयोजन होगा। यह कार्यशाला वन विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा द एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट (टेरी) नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की जा रही है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव, तथा अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंधन) सुनील कुमार मिश्रा के निर्देशन में आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन और उन्हें व्यापक आर्थिक ढांचे में एकीकृत करने पर राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा।

वनमंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जो हरित जीडीपी में वन पारिस्थितिकी तंत्र मूल्यों को समाहित करने और उन्हें आर्थिक योजना में व्यवस्थित रूप से शामिल करने की पहल कर रहा है। यह कार्यशाला छत्तीसगढ़ को सतत विकास की दिशा में अग्रणी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, जिससे राज्य की पर्यावरणीय संपदा को आर्थिक योजना में प्रभावी रूप से एकीकृत किया जा सकेगा।

इस कार्यशाला में कई विशिष्ट विशेषज्ञों के उद्बोधन होंगे, जिनमें सेवानिवृत्त पीसीसीएफ डॉ. आर. के. सिंह, डॉ. के. सुब्रमण्यम, सदस्य, छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग; एवं डॉ. जे. वी. शर्मा, वरिष्ठ निदेशक (भूमि संसाधन प्रभाग) टेरी शामिल हैं। ये सभी विशेषज्ञ नीति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन और आर्थिक योजना पर उनके प्रभाव पर विचार रखेंगे।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में कई प्रमुख विशेषज्ञ अपने शोध व विचार साझा करेंगे। जगदीश राव, सीईओ, लिविंग लैंडस्केप्स, हैदराबाद अपने अनुभव साझा करेंगे। डॉ. मधु वर्मा, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार एवं मुख्य पर्यावरण अर्थशास्त्री, आईओआरए, नई दिल्ली, भारत में पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन की महत्ता और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करेंगी। अनिरुद्ध सोनी, फेलो, सेंटर फॉर बायोडायवर्सिटी एंड इकोसिस्टम (टेरी) वन-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को राज्य जीडीपी से जोड़ने के लिए एसईईए फ्रेमवर्क पर अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा, प्रांजल चौहान, एसोसिएट फेलो, सेंटर फॉर बायोडायवर्सिटी एण्ड इकोसिस्टम, टेरी, छत्तीसगढ़ के वनों में पारिस्थितिकी तंत्र सेवा मूल्यांकन को लागू करने के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत करेंगे।

## आबकारी विभाग की कार्यवाई : कोसीर टीम ने 10 लीटर महुआ शराब जब्त की

रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा राज्य में अवैध शराब के भंडारण, परिवहन और विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत आबकारी वृत्त कोसीर की टीम ने ग्राम दहिदा में छापामार कार्यवाही कर 10 लीटर महुआ शराब जब्त की।

सहायक आयुक्त आबकारी सोनल नेताम के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त कोसीर की टीम ने गांव में तलाशी अभियान चलाया, जिसमें सहस भारती के मकान से 10 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद की गई। जब्त शराब को क़ब्ज़े में लेकर आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) और 59 क के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी आनंद वर्मा, वृत्त कोसीर प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक लोकनाथ साहू एवं आबकारी मुख्य आरक्षक राजेन्द्र खांडे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## पांच दिवसीय माता मावली मेले का हुआ भव्य शुभारंभ : देव परिक्रमा और समागम ने बढ़ाई मेले की भव्यता

- ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति से की देव विग्रहों की अगवानी

रायपुर

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, देव आस्था और परंपरा का प्रतीक नारायणपुर जिले के ओरछा क्षेत्र का ऐतिहासिक माता मावली मेला आज श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हुआ। पांच दिवसीय मेले की शुरूआत माता मावली मंदिर में पारंपरिक पूजा-अर्चना और परघाव (देवताओं के स्वागत की परंपरा) के साथ हुई। आसपास के गांवों से आए स्थानीय देवी-देवताओं के प्रतीक स्वरूप डंगई, लाठ, डोली और छत्र के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। मेला स्थल पर पहुँचकर ढाई परिक्रमा की रस्म पूरी की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की।

मेला स्थल पर माता मावली, कोट गुड़ीन, शीतला माता, कोकोड़ी करीन, तेलवाड़ीन माता, कंकालीन माता, सोनकुंवर, भीमादेव सहित कई स्थानीय देवी-देवताओं का भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने गहरे भाव से सिरहा, पुजारियों और गायता (पारंपरिक पुजारी वर्ग) के साथ मिलकर अनुष्ठानिक पूजाएं कीं। पूरे मेले में आस्था और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

इस ऐतिहासिक मेले में 19 से 23 फरवरी 2025 तक हर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 20 फरवरी को बस्तर संस्कृति ग्रुप लोक रंग (सिद्धार्थ महाजन), 21 फरवरी को अनुराग शर्मा स्टार नाइट एंड ग्रुप, 22 फरवरी को रास परब एंड ग्रुप, जगदलपुर, 23 फरवरी को मल्लखंब डांस एकेडमी और नितिन दुबे सुपर स्टार नाइट का कार्यक्रम होगा।

मावली मेला इस क्षेत्र का सबसे बड़ा लोकोत्सव होने के कारण इस बार भी इसकी भव्यता देखते ही बन रही है। मेला स्थल पर मीना बाजार, विभिन्न प्रकार के झूले, दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानें, फैंसी बाजार, मिठाई की दुकानें लोगों को आकर्षित कर रही हैं। भारी संख्या में ग्रामीण और पर्यटक मेले का आनंद ले रहे हैं।

मावली मेले में सुरक्षा, पेयजल, बिजली और पार्किंग की पुख्ता व्यवस्थाएं जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई हैं। मेला स्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है। पर्याप्त संख्या में पेयजल टैंकर और अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था की गई है। पूरे मेला क्षेत्र में हाई-पावर लाइट और जनरेटर लगाए गए हैं। सुचारू यातायात प्रबंधन और वाहनों के लिए विशेष पार्किंग जोन बनाए गए हैं।

आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक आस्था का प्रतीक

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में आयोजित होने वाला ऐतिहासिक मावली मेला आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक आस्था का प्रतीक है। यह मेला छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज की गहरी धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। यह मेला माता मावली देवी के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्हें स्थानीय आदिवासी समुदाय अपनी कुल देवी मानते हैं। इस मेले की विशेषता यह है कि विभिन्न गांवों से श्रद्धालु अपने देवी-देवताओं को लकड़ी की पालकियों में लेकर आते हैं और भव्य शोभायात्रा (जात्रा) निकालते हैं। इस दौरान भक्तगण परिक्रमा कर देवी मावली की पूजा-अर्चना करते हैं।

माना जाता है कि यह मेला सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है, जिसमें गोंड, मुरिया और अन्य आदिवासी समुदायों के लोग सामूहिक रूप से अपनी परंपराओं का प्रदर्शन करते हैं। इस अवसर पर लोक नृत्य, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की ध्वनि, अनुष्ठानिक पूजा और मेल-मिलाप का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह मेला सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी आदिवासी समाज को जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480